क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 167, बुधवार, 11 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हनीप्रीत को सता रही घरवालों की याद, करना चाहती है बात

पंचकूला। गत वर्ष पंचकूला में हुई हिंसा और आगजनी के बाद देशद्रोह के आरोप में अंबाला जेल में बंद हनीप्रीत को अब अपने घरवालों की याद सताने लगी है। हनीप्रीत अब अपने परिवार के सदस्यों से बात करना चाहती है। पिछले लगभग 270 दिन से अंबाला जेल में लगातार कैदियों के बीच रहकर परेशान हो गई है और उसे भी अन्य कैदियों की तरह अपने परिवार से बात करनी है। हनीप्रीत की ओर से वकील ने पंचकूला की एक कोर्ट में याचिका लगाकर अपील की है कि जिस तरह से अन्य आरोपित अपनी परिवार से रोजाना आधा घंटा बात करते हैं, उसी तरह मुझे भी परिवार वालों से बात करने की इजाजत मिले। इससे पूर्व हनीप्रीत ने याचिका में कहा था कि हिंसा में मेरा कहीं कोई रोल नहीं है। मेरा नाम भी बाद में एफआईआर में डाला गया। मुझे पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया, बल्कि मैं खुद 3 अक्तूबर 2017 को आत्मसमर्पण करने के लिए आ गई थी। जब इस एफआइआर नंबर 345 के अन्य 15 आरोपितों को जमानत मिल चुकी है, तो मुझे भी जमानत मिलनी चाहिए, लेकिन अदालत ने याचिका खारिज कर दी थी।हनीप्रीत ने जमानत याचिका लगाकर कहा था कि मैं एक महिला हूं और 25 अगस्त 2017 को पंचकूला में जब हिंसा हो रही थी, तब मैं डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम के साथ थी। डेरा प्रमुख को सजा होने के बाद मैं राम रहीम के साथ पंचकूला से सीधा सुनारिया जेल रोहतक चली गई।

पीडीपी-भाजपा के कुशासन को लेकर कश्मीर के लोगों में ज्यादा रोषः उमर अब्दुल्ला

जम्मू। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा और पीडीपी पर पाखंडी होने और दोमुंही बाते करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अवसरवादी मिलनसारी के तीन साल बाद अब यह दोनों पार्टियां सार्वजनिक रूप से कीचड़ उछालने में लगी हुई है। उन्होंने आज दावा किया कि महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पूर्व पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार के कुशासन को लेकर जम्मू की अपेक्षा कश्मीर के लोगों में ज्यादा गुस्सा है। अब्दुल्ला का कहना है कि इस सरकार के शासनकाल के दौरान राज्य के किसी हिस्से के साथ न्याय नहीं हुआ। नेशनल कांफ्रेंस की महिला विंग की तरफ से आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में अब्दुल्ला ने कहा कि पिछली सरकार की अक्षमता की वजह से राज्य के किसी भी क्षेत्र के साथ न्याय नहीं हुआ। इस सरकार के खिलाफ जम्मू से ज्यादा कश्मीर के लोगों में गुस्सा है।

चित्रास्वामी विस्फोट मामला में कोर्ट ने 3 लोगों को सात साल की सजा सुनाई

बेंगलुरु। करीब आठ साल पूर्व वर्ष 2010 में चित्रास्वामी स्टेडियम में हुए विस्फोटों के मामले में अदालत ने मंगलवार को 14 आरोपियों में से तीन को सात साल कैद की सजा सुनाई। एनआईए अदालत के न्यायाधीश सिद्दलिंगा प्रभु ने इन लोगों को सात साल के साधारण कारावास और सालभर का कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने गत चार जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। तीनों आरोपी गौहर अजीज खोमानी,कमाल हसन और मोहम्मद कफील अख्तर ने उस दिन अपराध स्वीकार करते हुए अदालत में हलफनामा दायर किया था। उन्होंने नरमी बरतने और कम सजा देने का आग्रह किया था। ये लोग मुकदमे के दौरान पहले ही छह साल जेल में गुजार चुके हैं। आरोपियों के वकील बालन ने कहा, उन्होंने काफी दबाव के बाद गुनाह कबूल किया क्योंकि वे पहले ही छह साल दो महीने जेल में गुजार चुके हैं। मामले में 14 आरोपी हैं। इनमें से सात जेल में हैं और कुछ अन्य फरार हैं। चिन्नास्वामी स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर अप्रैल 2010 में तब पांच विस्फोटक लगाए गए थे जब वहां मुंबई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स के बीच आईपीएल मैच होना था। इनमें से दो विस्फोटक फट गए थे जिनमें पांच सुरक्षाकर्मियों सहित 15 लोग घायल हुए थे।

राष्ट्रपति मून की वजह से शुरू हुई कोरियाई प्रायद्वीप में शांति प्रक्रिया: मोदी

नयी दिल्ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोरियाई प्रायद्वीप में शांति प्रक्रिया में भारत एक पक्षकार है और क्षेत्र में शांति के लिये हमारा योगदान जारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की पहली यात्रा पर आए दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे..इन से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक संबंधों के विविध आयामों पर व्यापक चर्चा की। बातचीत के बाद संवाददाताओं के समक्ष संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'कोरियाई प्रायद्वीप में शांति प्रक्रिया शुरू करने का श्रेय राष्ट्रपति मून को जाता है। शांति प्रक्रिया को पटरी पर रखने और आगे बढ़ाने का पूरा श्रेय राष्ट्रपति मून को जाता है।'उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि जो सकारात्मक वातावरण बना है, वह राष्ट्रपति मून के अथक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर और दक्षिण एशिया में प्रसार संबंध (परमाणु) भारत के लिये भी चिंता का विषय है। इसलिये इस शांति प्रक्रिया में भारत भी एक पक्षकार है। तनाव कम करने के लिये जो हो सकेगा, हम वह करेंगे। मोदी ने कहा कि इसलिये परामर्श और सम्पर्क बढ़ाने का निर्णय किया गया है। इस संदर्भ में 2+2 वार्ता और मंत्री स्तर की मुलाकात काफी महत्वपूर्ण होगी।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे..इन ने कहा कि हमने द्विपक्षीय सहयोग के नये युग की शुरूआत की है। वहीं, मोदी ने कहा कि हमारी बातचीत के परिणामस्वरूप एक दृष्टि पत्र जारी किया जा रहा है। हमारा ध्यान अपने विशेष सामरिक गठजोड़ को मजबूत करने पर है। इस संबंध का एक स्तम्भ हमारे आर्थिक और व्यापारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट पालिसी और कोरिया गणराज्य की न्यू सदर्न स्ट्रेटजी में स्वाभाविक एकरसता है।

शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, एक नागरिक की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर हो गए और एक नागरिक की मौत हो गई। मुठभेड़ में एक जवान सहित 21 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों के शव जिले के कुंडुल्लान गांव में मुठभेड़ स्थल से बरामद किए गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद आज सुबह सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान घायल हो गया है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल के पास कुछ लोग एकत्रित हो गए।

यूपी में जेल में भी सुरक्षित नहीं लोग,पूर्व मुख्यमंत्री ने योगी सरकार पर कसा तंज

लखनऊ।

योगी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में चारों तरफ भय का माहौल है। अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए कहा कि आज यूपी में न तो कानून बचा है न व्यवस्था । हर तरफ दहशत का वातावरण है। प्रदेश ने ऐसा कुशासन व अराजकता का दौर पहले कभी नहीं देखा। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वो जेल तक में हत्याएं कर रहे हैं। ये सरकार की विफलता है। प्रदेश की जनता इस भय के माहौल में बहुत डरी-सहमी है। प्रदेश ने ऐसा कुशासन व अराजकता का दौर पहले कभी नहीं देखा। आज यूपी में न तो क़ानून बचा है न व्यवस्था। हर तरफ़ दहशत का वातावरण है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वो जेल तक में हत्याएं कर रहे हैं। ये सरकार की विफलता है। प्रदेश की जनता इस भय के माहौल में बहुत डरी-सहमी है। प्रदेश ने ऐसा कुशासन व अराजकता का दौर पहले कभी नहीं देखा। बता दें कि सोमवार को यूपी के माफिया डॉन प्रेम प्रकाश सिंह उर्फ मुन्ना बजरंगी की बागपत जेल में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पूर्व बसपा विधायक लोकेश दीक्षित से रंगदारी मांगने के आरोप में बागपत कोर्ट में मुन्ना बजरंगी की पेशी होनी थी। मुन्ना बजरंगी रविवार को झांसी से बागपत लाया गया था। इसी दौरान जेल में उसकी हत्या कर दी गई। उसे 10 गोलियां मारी गईं।

केजरीवाल और एलजी के अधिकारों की लड़ाई फिर पहुंची सुप्रीम कोर्ट, रणनीति तय करने हुई बैठक

नई दिल्ली।

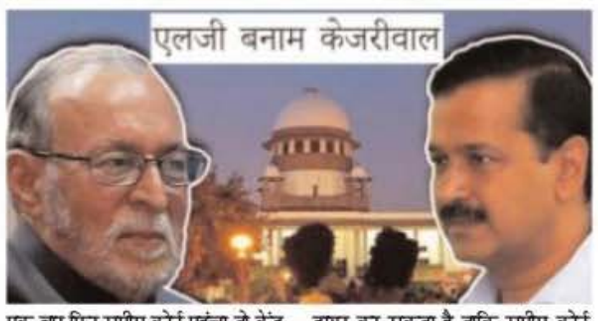

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल अनिल बैजल के बीच अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग के अधिकार का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद विवाद नहीं थमा और एलजी ने अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग का अधिकार मुख्यमंत्री को देने से मना कर दिया।

ऐसे में एलजी के रुख से नाराज़ दिल्ली सरकार ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर अर्जी में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और उप राज्यपाल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद ट्रांसफर पोस्टिंग का अधिकार नहीं दे रहे। केजरीवाल सरकार की अर्जी में आरोप लगाया गया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद केंद्र और एलजी का सर्विसेज पर अपने अधिकार ना छोड़ना सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है। अब मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो केंद्र और एलजी भी अपनी रणनीति बनाने में जुट गए। दिल्ली के उप राज्यपाल अनिल बैजल ने गृहसचिव राजीव गौबा से मुलाक़ात की। गृह मंत्रालय में हुई बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश भी मौजूद थे। बैठक में सर्विसेज मामले में दिल्ली सरकार और एलजी के अधिकारों को लेकर विवाद के दोबारा सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद की रणनीति पर चर्चा हुई।सूत्रों के मुताबिक बैठक में तय हुआ कि केंद्र सरकार इस मामले में कैविएट दायर कर सकता है ताकि सुप्रीम कोर्ट केंद्र की दलील सुने बगैर एकतरफा फ़ैसला ना दे। बैठक में तय किया गया कि जब कोर्ट में मामले की सुनवाई होगी और कोर्ट से नोटिस आयेगा तो तो केंद्र और एलजी अलग-अलग अपना पक्ष रखेंगें और हलफनामा दायर कर आरोपों का जवाब देंगे। केंद्र सरकार कोर्ट को बताएगी कि दिल्ली सरकार ना सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के फैसले का गलत मतलब निकाल रही है बल्कि कोर्ट को गुमराह कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव प्रचार में होने वाले खर्च की अर्जी खारिज की

नई दिल्ली। देश में चुनाव प्रचार पर होने वाले खर्च के संबंध में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई नहीं करेगा। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा चुनाव प्रचार में खर्च की जाने वाली राशि के संबंध में दिशा निर्देश जारी करने की मांग करने वाली अर्जी को आज खारिज करते हुए उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ता को निर्वाचन आयोग जाने को कहा। प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय इस संबंध में कोई विचार नहीं रख रहा है। न्यायमूर्ति मिश्रा सहित न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ की पीठ ने कहा कि हम सिर्फ भारत निर्वाचन आयोग में जाने की अनुमति दे सकते हैं। हम यह भी स्पष्ट कर रहे हैं कि न्यायालय इस संबंध में कोई विचार नहीं रख रहा है। वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दी गयी अर्जी में न्यायालय से अनुरोध किया गया था कि वह प्रत्येक उम्मीदवार को निर्देश दे कि वे चुनाव प्रचार पर होने वाले खर्च के लिए बैंक में अलग खाते खुलवायें।

दोषियों को माला पहनाने वाले मंत्री पर राहुल का हमला, कहा- हार्वर्ड यूनिवर्सिटी जयंत सिन्हा से नाता तोड़े

नई दिल्ली।

लिंचिंग के दोषियों का माला पहनाकर स्वागत करने पर केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा पर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने निशाना साधा है। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट के साथ ऑनलाइन याचिका का लिक शेयर कर ज्यादा से ज्यादा समर्थन देने की मांग की है। इस याचिका में कहा गया है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय जयंत सिन्हा से रिश्ता तोड़े।

राहुल गांधी ने ट्वीट में लिखा?

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, अगर एक पढ़े लिखे मंत्री की उस तस्वीर पर आपको गुस्सा आता है जिसमें वो एक निर्दोष के हत्यारों को माला पहनाते हैंतो आप अपना गुस्सा जाहिर करें। जयंत सिन्हा से हार्वर्ड यूनिवर्सिटी रिश्ता तोड़े। ये मांग वाली याचिका का समर्थन करें। बता ये ऑनलाइन याचिका www.change.org पर प्रतीक कंवल नाम के शख्स ने शुरू की है।

जयंत सिन्हा की सफाई- दोषियों को माला पहनाना सही, हिंसा निंदनीय

केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा का कहना है कि किसी भी तरह की हिंसा निंदनीय है। जयंत सिन्हा ने माला पहनाकर दोषियों के स्वागत करने पर विरोधियों को जवाब देते हुए बेल ऑर्डर पढ़ने की अपील की। एक इवेंट के दौरान सिन्हा ने कहा, भले ही मैंने उन्हें अपने घर बुलाया हो, लेकिन मैं हर तरह की हिंसा की निंदा करता हूं और गोरक्षा से जुड़ी हिंसा की भी निंदा करता हूं...कानून को अपना काम करने दिया जाए। दोषियों को ज़रूर सज़ा मिलनी चाहिए, लेकिन हमें ये भी तय करना होगा कि सभी को न्याय मिले। झारखंड हाई कोर्ट ने सभी दोषियों की सज़ा को सस्पेंड करते हुए उन्हे बेल दी है। इन आठों को एक ट्रायल कोर्ट ने 40 साल के व्यापारी अलिमुद्दीन अंसारी की लिंचिंग कर हत्या करने के मामले में उम्र कैद की सज़ा दी थी। 29 जून, 2017 की इस घटना में गो-हत्या के शक में इन लोगों ने उन्हें मार दिया था।

मैं नालायक बेटे का लायक पिता- यशवंत सिन्हा

सिन्हा के पिता और पूर्व बीजेपी नेता यशवंत सिन्हा भी उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने इस मामले में अपने बेटे की घोर आलोचना की है। उन्होंने तो ट्वीट करके यहां तक कह दिया कि पहले वो एक लायक बेटे के नालायक बाप थे, लेकिन अब ये बिल्कुल उल्टा है।

नियम बदले, अब ऐसे पढ़ाई, शादी, घर और बीमारी के लिए निकाल सकते हैं पीएम से पैसे

नई दिल्ली। वेतनभोगियों के फंड का रखरखाव करने वाली सरकारी संस्था कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नियम में कई बदलाव किये हैं। इसके तहत अगर कोई पीएफ खाताधारी कर्मचारी एक महीने तक बेरोजगार रहता है तो वह ईपीएफओ में आवेदन कर 75 प्रतिशत तक अपनी राशि निकाल सकता है। फिर भी अगर जॉब नहीं मिलती है तो बाकी बचे पैसे को दो महीने बाद निकाला जा सकता है और खाता बंद कर सकते हैं।

साथ ही EPFO ने खाताधारकों को अन्य मौकों पर भी पैसा निकालने की सुविधा दी है. नये नियम के मुताबिक, अपने या बच्चे की शादी, घर खरीदने, बीमारी के इलाज और बच्चों की शिक्षा के लिए पीएफ की राशि निकाली जा सकती है। शादी के लिए निकासी संभवः शादी के लिए पैसे निकालने के लिए EPFO ने शर्त लगाई है कि खाता कम से कम सात साल पुराना होना चाहिए. नियम के मुताबिक, आप अपनी या परिवार में बेटा, बेटी, बहन भाई या अन्य के लिए 50 प्रतिशत तक पैसा निकाल सकते हैं।

बच्चों की पढ़ाई के लिए निकाल सकते हैं पैसेः

बच्चों की पढ़ाई के लिए भी पैसा निकाल सकते हैं लेकिन इसके लिए भी जरूरी है की आप सात साल से ईपीएफओ में खाताधारक हों। ईपीएफओ के मुताबिक, आप 10वीं के बाद बच्चों की पढ़ाई के लिए 50 प्रतिशत तक पैसा निकाल सकते हैं। पैसा निकालते समय 10 वीं परीक्षा और आगे की पढ़ाई से संबंधित जानकारी देने होगी।

बीमारी के लिए ईपीएफओ ने बदले ये नियमः अपनी या परिवार के सदस्यों की बीमारी के इलाज के लिए भी पीएफ का पैसा निकाला जा सकता है। नियम के तहत कर्मचारी 6 महीने की बेसिक सैलरी (मूल वेतन) और डाइट अलाउंस (डीए) की निकासी कर सकते हैं. यह सुविधा नये और पुराने दोनों ही सदस्यों के लिए उपलब्ध है। पैसा निकालने के लिए कंपनी और डॉक्टर के साइन की जरूरत होगी।

लोकायुक्त की जरूरत नहीं, हमारे यहां दो आयोग हैं : जम्मू-कश्मीर ने एससी से कहा

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि उनके यहां पहले से दो आयोग मौजूद हैं जो लोकपाल और लोकायुक्त कानून का पूरा काम करते हैं, ऐसे में राज्य में लोकायुक्त की कोई आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार ने न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति आर. भानुमति और न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा की पीठ को बताया कि जम्मू- कश्मीर जवाबदेही आयोग कानून, 2002, और जम्मू-कश्मीर राज्य सतर्कता आयोग कानून, 2011 के प्रावधान लोकायुक्त कानून , 2013 के समान ही हैं।

इस पर पीठ ने कहा कि आपके यहां समानांतर व्यवस्था (जवाबदेही आयोग) है जिसकी अध्यक्षता अवकाश प्राप्त मुख्य न्यायाधीश करते हैं और दो अवकाश प्राप्त न्यायधीश उसके सदस्य हैं। आपके यहां सतर्कता आयोग भी है। आपका कहना है कि दोनों आयोग पर्याप्त हैं, और आपका कहना है कि आपके संविधान की विलक्षणता के मद्देनजर लोकायुक्त की आवश्यकता नहीं है।

जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से पेश हुए वकील शोएब आलम से पीठ ने कहा कि हम नहीं जानते हैं कि आपका जवाबदेही आयोग या सतर्कता आयोग किस हद तक काम करता है और क्या वह लोकायुक्त कानून के मानदंडों पर खरे उतरते हैं। सवाल के जवाब में आलम ने कहा कि राज्य के जिन कानूनों के तहत दोनों आयोगों का गठन हुआ है वे लोकायुक्त कानून के समान हैं। अपनी दलील की पुष्टि के लिए उन्होंने लोकायुक्त कानून के प्रावधान 63 का हवाला भी दिया। प्रावधान 63 में कहा गया है, प्रत्येक राज्य सार्वजनिक कर्मचारियों के भ्रष्टाचारों की शिकायत सुनने के लिए इस कानून के लागू होने के एक वर्ष के भीतर अपने यहां लोकायुक्त नामक संस्था का गठन करे, यदि राज्य की विधानसभा द्वारा पारित कानून के तहत उनके यहां पहले से लोकायुक्त संस्था का गठन नहीं किया गया है। लोकायुक्तों और लोकपाल की नियुक्ति को लेकर याचिका दायर करने वाले वकील अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का जवाबदेही आयोग और सतर्कता आयोग लोकायुक्त कानून के मानदंडों पर खरा नहीं उतरता है, इसपर पीठ ने सवाल किया, 'आप बताएं कि क्या फर्क है।'

पीठ ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर द्वारा रखी गयी दलीलों को भी सुनेगा, साथ ही उसने उपाध्याय से कहा कि वह लोकायुक्त कानून और राज्य के दोनों कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने यह भी कहा, यदि जम्मू-कश्मीर राज्य के दोनों कानून लोकायुक्त कानून के समान ही हैं तो, यह फिर नाम बदलने का मामला रह जाएगा।

रजनीकांत की पत्नी पर चलेगा मुकदमा, SC ने हाई कोर्ट का आदेश किया निरस्त

नयी दिल्ली।

उच्चतम न्यायालय ने एक विज्ञापन एजेन्सी की शिकायत पर सुपरस्टार रजनीकांत की पत्नी लता रजनीकांत के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही का रास्ता उस समय साफ कर दिया जब उसने कर्नाटक उच्च न्यायालय का आदेश निरस्त कर दिया। इस विज्ञापन एजेन्सी ने अपनी निजी शिकायत में आरोप लगाया था कि वे 2014 में 'कोचादायीयान' के निर्माण के बाद के कारोबार में शामिल हुये थे। इस फिल्म का निर्माण मेसर्स मीडियावन ग्लोबल इंटरटेनमेन्ट लि ने किया था और लता की व्यक्तिगत गारंटी पर उसने इसके लिये दस करोड़ रूपए दिये थे।

वह इस निर्माण कंपनी की एक निदेशक थीं।

न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति आर भानुमति और न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा की खंडपीठ ने कहा कि लता के खिलाफ कार्यवाही रद्द करने की उच्च न्यायालय की कार्यवाही न्यायोचित नहीं थी। विज्ञापन एजेन्सी एडी-ब्यूरो एडवर्टाइजिंग प्रा लि की शिकायत पर निचली अदालत ने लता के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया था। पीठ ने कहा, 'यह ऐसा मामला है जिसकी सुनवाई होनी चाहिए थी। आप (लता) उचित अवसर पर इससे आरोप मुक्त करने के लिये आवेदन कर सकती हैं।' शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के 10 मार्च , 2016 के आदेश के खिलाफ विज्ञापन एजेन्सी की अपील पर यह आदेश दिया। विज्ञापन एजेन्सी का दावा था कि मीडियावन ग्लोबल एंटरटेनमेन्ट को उसे दस करोड़ रूपए और 1.2 करोड़ रूपए ' गारंटी लाभ ' की राशि वापस करनी थी परंतु यह धन नहीं लौटाया गया है। इस मामले में सुनवाई के दौरान लता के वकील ने कहा कि एजेन्सी 20 करोड़ रूपए देने पर राजी हुयी थी परंतु उसने बाद में सिर्फ दस करोड़ रूपए का भी भुगतान किया था। इस पर पीठ ने कहा कि क्योंकि उन्होंने आपको 20 करोड़ रूपए नहीं दिये, इसलिए आप वह रकम भी रोक लेंगी जो उसने आपको दी थी।

बारिश — **बॉम्बे हाईकोर्ट ने रेलवे और बीएमसी को लगाई कड़ी फटकार**

मुंबई में एक बार फिर तेज बारिश शुरू, मौसम विभाग ने किया अलर्ट जारी

मुंबई।

आर्थिक राजधानी कही जाने वाली आमची मुंबई आज पानी-पानी हो गई। वहीं मौसम विभाग ने भी बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है। मुंबई में पिछले 24 घंटों में 165 से 185 एमएम तक बारिश हुई है। मुंबई के कई इलाकों में पूर्व की भांति इस बार कई इलाकों के घरों में पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण मुंबई, मध्य मुबंई और पश्चिम मुंबई के इलाकों में बारिश हो रही है। इस मामले में मुंबई बॉम्बे हाई कोर्ट ने बारिश से निजात दिलाने में नकामयाब बीएमसी और रेलवे को कड़ी फटकार लगा दी।

जानकारी के अुनसार मंगलवार को मुंबई के परेल, दादर, हिंदमाता, माटुंगा, किंग सर्कल, सायन, वडाला और चेंबुर क्षेत्रों में इलाके में तेज बारिश और जलभराव से जनजीवन ठप हो गया। मुंबई के आस पास के इलाकों नालासोपारा, वसई, पालघर और विरार में भी जगह जगह पानी भरा हुआ है। बारिश के कारण मुंबई में कई जगहों पर बिजली भी बंद हो गई है।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर भी बारिश की मार पड़ी है, हाईवे पर 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। लगातार हो रही बारिश के चलते मुंबई में नदी नाले उफान पर हैं। भारी बारिश के बाद मुंबई की मीठी नदी और तुलसी लेक में 38 फीसदी से ज्यादा पानी भर गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 गंटे में तेज बारिश का अनिमान जताया है। बॉम्बे हाईकोर्ट में बारिश में मुंबई के हाल पर नाराज़गी जताई। कोर्ट ने बीएमसी और रेलवे को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा बीएमसी और रेलवे दोनों ही बारिश के लिए तैयारी

नहीं करते। कोर्ट ने रेलवे से कहा कि निचले इलाकों में रेलवे ट्रैक की ऊंचाई मॉनसून के पहले क्यों नहीं बढ़ाई जाती?

हर साल उन्हीं रेलवे ट्रैक पर पानी भरता है तो सबक लेते हुए कार्रवाई क्यों नहीं होती? कोर्ट ने कहा कि मुंबई की लोकल सेवा के लिए अलग से रेलवे बोर्ड क्यों नहीं बनाया जाता, जिससे हरबार दिल्ली से इजाजत मांगने की जरूरत न पड़े।

पिछले तीन दिन से हर रोज़ 100 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई है, पिछले 24 घंटों में ही 200 मिमी के करीब बारिश रिकॉर्ड की गई। मुंबई सहित कल्याण, ठाणे, नवी मुंबई में मॉनसून जमकर बरस रहा है. महीने के शुरुआती 10 दिन में ही मुंबई ने 754 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि पूरे जुलाई महीने में 840 मिलीमीटर बारिश होती है. अगले 24 घंटों में बारिश जारी रहेगी जिससे 840 मिमी पीछे छूट सकता है. 11-12 जुलाई को बारिश में कुछ कमी आएगी।

मंबई के परेल और एलफिस्टन स्टेशन को जोड़ने वाले रास्ते पर यात्री घुटने भर पानी में चल रहे है। इस इलाके में दो रेलवे स्टेशन हैं और साथ ही यहां केईएम, वाडिया और टाटा जैसे बड़े-बड़े अस्पताल भी हैं, इसलिये यहां बड़ी संख्या में लोग आते हैं। फिलहाल परेल और दादर इलाके में बारिश बंद हुई है। इसके साथ ही हिंदमाता और दादर में भरा पानी भी कम हुआ है। इन इलाकों में अब ट्रैफिक भी सामान्य है। बारिश से बेहाल मुंबई को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रिपोर्ट मांगी है। साथ ही सीएम ने शिक्षा मंत्री विनोद तावड़े को जरूरी निर्देश भी दिए हैं।

अपने ऊपर विास रखें। जितना आप करते हैं उससे कहीं अधिक आप जानते हैं- बेंजामिन स्पॉक

पीड़ादायक स्थिति

समाचार निश्चय ही चिंतित करने वाला है कि जाकिर नाइक का इस समय भारत लाया जाना संभव नहीं है। मलयेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद से उसकी मुलाकात की तस्वीरें देखकर हर भारतीय का खून खौल गया होगा। जिस तरह उसके चेहरे पर मुस्कुराहट है, वह सामान्य बात नहीं है। भारत जैसे दुनिया के प्रभावशाली देश का भगोड़ा अपराधी जानते हुए किसी देश में इस तरह सरकारी मेहमान बनकर आराम और सुकून से रहता रहे, उसके चेहरे पर शिकन तक न हो और भारत कुछ न कर सके इससे पीड़ादायक स्थिति कुछ नहीं हो सकती। महाथिर का बयान है कि वह उसे भारत को प्रत्यर्पित नहीं करेंगे और कि उन्होंने नाइक को अपने यहां स्थायी रूप से रहने की इजाजत दी है। वस्तुत: भारत ने अपनी ओर से तमाम सबूतों के साथ उसके प्रत्यर्पण की मांग की थी, जिसे मलयेशिया ने पिछले छह जुलाई को ठुकरा दिया था। अभी तक भारत की ओर से इस पर कोई अधिकृत वक्तव्य नहीं आया है। देखना है सरकार इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है। प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर, यह नौबत आई क्यों? जब दो वर्ष पूर्व वह देश से बाहर गया था, उस समय तक उसके खिलाफजांच आरंभ हो चुकी थी। एनआईए चाहती तो उसे रोक सकती थी। न्यायालय से उसका पासपोर्ट जब्त करने तथा देश से बाहर न जाने का आदेश लिया जा सकता था। कोई बाधा नहीं थी। जाहिर है, यह एक बड़ी चूक थी। वैसे भी एक बार कोई बाहर चला गया तो उसे वापस लाना आसान नहीं होता। जाकिर नाइक की तकरीरों ने उसे पूरे इस्लामी जगत के एक बड़े वर्ग के बीच अपार लोकप्रियता दी है। हर इस्लामी देश में और वैसे दूसरे देशों में जहां-जहां मुसलमान हैं, उनमें भी बड़ा वर्ग उसका घोर समर्थक है। अनुमान लगाया जाना चाहिए था कि मजहबी प्रचारक के रूप में उसकी ख्याति, संपर्क, सम्मान उसकी वापसी के मार्ग का बड़ा रोड़ा साबित होगा। मलयेशिया उसे शरण नहीं देता तो कोई और देश दे देता। महाथिर पूर्व कार्यकाल के अपने बाद के दिनों में स्वयं इस्लामी कट्टरपंथ के प्रतीक बन चुके थे। उनके काल में बोया गया कट्टरपंथ का बीज ही आगे चलकर पल्लवित-पुष्पित हुआ। इसलिए उनसे ऐसे किसी व्यक्ति, जिसकी मजहबी प्रचारक के रूप में ख्याति है, और जिसके वहाबी विचारों से वे स्वयं भी परिचित हैं, को वे आसानी से तो भारत को सौंप नहीं सकते। इस तरह भारत के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं।

भ्रष्टाचार के आरोप

नता दल यू की राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यकारिणी के बाद तत्काल उसके राजग में रहने या बाहर जाने संबंधी अटकलें खत्म हो जानी चाहिए। अपने प्रस्ताव में पार्टी ने राजग का भाग होने की बात कही है। स्वयं नीतीश कुमार ने अपने भाषण में गठबंधन को जारी रखने पर जोर दिया। उल्टे उन्होंने यह कहा कि कांग्रेस जब तक भ्रष्टाचार पर अपना मत स्पष्ट नहीं करती तब तक उसके बारे में कुछ सोचा ही नहीं जा सकता। भ्रष्टाचार से इनका इशारा लालू प्रसाद के परिवार से ही था। इसका संदेश यह था कि हमने लालू परिवार के ज्यादातर सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण साथ छोड़ा है, और इसमें संशोधन की कोई गुंजाइश नहीं है। पार्टी भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेगी, इस स्पष्ट वक्तव्य का अर्थ ही यही है। कार्यकारिणी के कुछ समय पहले तक ये अटकलें चल रही थीं कि जद यू लोक सभा चुनाव में सीटों के बंटवारे पर कड़ा रु ख अपना रही है यानी अगर मनमाफिक सीटें नहीं मिलीं तो जद यू गठबंधन से अलग हो सकती है। नोटबंदी पर नीतीश कुमार के प्रतिकूल बयान का अर्थ भी यही निकाला गया कि वे धीरे-धीरे फिर भाजपा से दूरी बढ़ाने की ओर बढ़ रहे हैं। कम से कम इस समय तो इसकी संभावना पार्टी ने खत्म कर दी है। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि भविष्य में कोई समस्या नहीं होगी। बिहार में राजग के अंदर अभी जितने घटक हैं, उनके बीच सीट बंटवारों पर समस्या होनी तय है। जद यू अगर भाजपा के साथ अपने पुराने संबंधों के समय के अनुसार सीटें चाहेगी तो यह पूरा नहीं हो सकता। उस समय भाजपा ने जद यू को प्रदेश में बड़े भाई के रूप में मान लिया था। आज भी विधानसभा में जद यू की सीटें भाजपा से ज्यादा हैं, लेकिन लोक सभा की स्थिति भिन्न है। उसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। उसके बाद लोजपा है तथा तीसरे नम्बर पर रालोसपा है। जद यू का स्थान गठबंधन में चौथा है। इसमें सीट बंटवारा काफी कठिन हो गया है। नीतीश कुमार ने अपने भाषण में कहा भी कि अभी तय होने दीजिए, अगर हम संतुष्ट हुए तो ठीक, नहीं तो देखेंगे। यही संतुष्ट होने और देखेंगे में भविष्य की सारी संभावनाएं छिपी हुई हैं। हालांकि नीतीश कुमार के सामने भी समस्या है कि अगर वे सीट बंटवारे से संतुष्ट नहीं हुए तो क्या करेंगे? जिस राजद का साथ उन्होंने छोड़ दिया उसके साथ फिर से जाना आसान नहीं होगा।

सत्संग

मनोविज्ञानी टी

महसूस होता है कि मेरे पास आलस्य और पलायनवाद की पूरी विरासत है या तो मैं अपने भीतर ऊर्जा महसूस नहीं करता, अगर करता भी हूं तो मेरे लिए पूरी तरह लेट गो करना मुश्किल होता है। मैं एक नियंतग्रअनुभव करता हूं। मुझे लगता है कि कहीं न कहीं यह तुम्हारे जैव कंप्यूटर का हिस्सा बन चुका है। मन एक कंप्यूटर की तरह काम करता है, और हमारा सोचने का ढंग इसके लिए चारे का काम करता है। हमारे विचार इसमें इकट्ठे होते रहते हैं और धीरे-धीरे वे गहराई से जम जाते हैं। व्यक्तित्व को हम दो श्रेणियों में बांट सकते हैं। एक, जिसे मनोविज्ञानी टी-व्यक्तित्व कहते हैं, विषैला, और दूसरा जिसे वे एन-व्यक्तित्व कहते हैं, पुष्टिकर। विषैला व्यक्तित्व हमेशा चीजों के प्रति नकारात्मक नजरिया रखता है। विषैले व्यक्तित्व का दुनिया को देखने का नजरिया निराशावादी और उदासीन होता है। विषैला व्यक्तित्व हमेशा सुंदर चेहरों के पीछे छिपता है। पराकाष्ठावादी विषैले व्यक्तित्व का एक उदाहरण है। तुम यह नहीं कह सकते कि पराकाष्ठावादी में कुछ गलत है, लेकिन पराकाष्ठावाद का एकमात्र लक्ष्य ही त्रुटियां, गलतियां, खामियां निकालना है। यही सारी चाल है। आप ऐसे व्यक्ति में गलतियां नहीं ढूंढ़ सकते जो पूर्णता की तलाश में है। परन्तु वास्तव में पूर्णता उसका उद्देश्य नहीं है; यह एक साधन मात्र है। वह सिर्फ त्रुटियां, गलतियां, खामियां, और अभाव को देखना चाहता है, और यह सबसे अच्छा तरीका है: पराकाष्ठावाद को एक लक्ष्य की तरह रखना ताकि वह हर चीज की अपने आदर्श से तुलना करके उनकी निंदा कर विषैला व्यक्तित्व अपने आपको ही विषाक्त नहीं बनाता बल्कि दूसरों पर भी विष टपकाता रहता है। यह नकारात्मकता चमकदार शब्द, सुंदर भाषा, आदर्श, स्वर्ग, धर्म, भगवान, आत्मा आदि के पीछे छिपी हो सकती है; वे सुंदर शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन वह सिर्फप्रयास मात्र है और वे सिर्फइस दुनिया की निंदा करने के लिए दूसरी दुनिया के विषय में बात करते हैं। उनका संत-महात्माओं से कुछ लेना-देना नहीं है, लेकिन सिर्फ दूसरों को पापी सिद्ध करने के लिए वे संतों की बातें करते हैं।

''सादिक' और ''अमीन',

फैसला एक न्यायिक तख्तापलट था, जिसके पीछे भूमिका सेना की थी। न्यायालय ने छह सदस्यीय ज्वाइंट इन्वेस्टिगेटिव टीम-जेआइटी-यानी संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर शरीफको अयोग्य करार दिया। जेआइटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 1990 में प्रधानमंत्री के तौर पर शरीफने भ्रष्टाचार किया। उनके दूसरे कार्यकाल में उनके परिवार ने लंदन में संपत्तियां खरीदीं। शरीफपरिवार साबित नहीं कर सका कि इनकी खरीद के लिए धन कहां से आया। इसने शरीफ पर एक साथ 15 मामले दोबारा चलाने की सिफारिश की थी। इन मामलों में तीन 1994 से 2011 के बीच पीपीपी सरकार के दौरान दर्ज हुए थे।

सतीश पेडणोकर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, उनकी बेटी तथा दामाद को मिली सजा पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यकीनन यह ऐसे व्यक्ति एवं परिवार के लिए संकट का समय है जो 1990 के दशक से ही पाकिस्तान की राजनीति को प्रभावित करता रहा है। लेकिन इसे जिस तरह पनामा मामले में मिली सजा के रूप में पेश किया जा रहा है, वह सही नहीं है। 28 जुलाई, 2017 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि नवाज सच बोलने वाले एवं ईमानदार नहीं हैं। पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 62 और 63 में सांसद बनने की योग्यता और अयोग्यता के प्रावधान के अनुसार सांसद को ''सादिक' और ''अमीन', यानी सिर्फ सच बोलने वाला और ईमानदार होना चाहिए। इस कसौटी के आधार पर उन्हें न्यायालय ने पद से हटा दिया। फैसला एक न्यायिक तख्तापलट था, जिसके पीछे भूमिका सेना की थी। न्यायालय ने छह सदस्यीय ज्वाइंट इन्वेस्टिगेटिव टीम-जेआइटी-यानी संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर शरीफ को अयोग्य करार दिया।

जेआइटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 1990 में प्रधानमंत्री के तौर पर शरीफने भ्रष्टाचार किया। उनके दूसरे कार्यकाल में उनके परिवार ने लंदन में संपत्तियां खरीदीं। शरीफपरिवार साबित नहीं कर सका कि इनकी खरीद के लिए धन कहां से आया। इसने शरीफ पर एक साथ 15 मामले दोबारा चलाने की सिफारिश की थी। इन मामलों में तीन 1994 से 2011 के बीच पीपीपी सरकार के दौरान दर्ज हुए थे, जबकि 12 अन्य परवेज मुशर्रफके शासनकाल में। इनमें लंदन में शरीफपरिवार के चार फ्लैटों का मामला भी शामिल है। यह मामला उन 8 मामलों में शामिल है, जिनकी एनएबी ने दिसम्बर, 1999 में जांच शुरू की थी। पनामा लीक्स के अनुसार नवाज के बेटों हुसैन और हसन के अलावा बेटी मरियम नवाज ने टैक्स हैवन माने जाने वाले ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड में कम से कम चार कंपनियां शुरू कीं। इनके जरिए उन्होंने लंदन में बड़ी संपत्तियां खरीदीं जिन पर डॉएचे बैंक से करीब 70 करोड़ रु पए का कर्ज लिया। इसके अलावा, दूसरे दो फ्लैट खरीदने में बैंक ऑफ स्कॉटलैंड ने उनकी मदद की। इस जांच रिपोर्ट की प्रकृति आरोप पत्र की थी, जिस पर सुनवाई किए जाने तथा आरोपियों को अपना पक्ष रखने का मौका मिलना चाहिए था। ऐसा नहीं हुआ।

एनएबी न्यायालय का फैसला लंदन के पॉश इलाके एवेनफील्ड में स्थित चार फ्लैटों से जुड़ा है। फैसले में कहा गया है कि नवाज परिवार ने अपनी विदेशी कंपनियों नील्सन इंटरप्राइजेज लिमिटेड और नेस्कोल लिमिटेड के जरिए 1993 से 1996 के दौरान इन्हें खरीदा था। मामले में शरीफके अलावा उनकी बेटी मरयम, दामाद सफदर और दोनों बेटे हसन और हुसैन सह आरोपी बनाए गए थे। ब्रिटेन के लैंड रजिस्ट्री रिकॉर्ड के अनुसार, लंदन के एवेनफील्ड इलाके में ज्यादातर उन कंपनियों के फ्लैट हैं, जो पनामा और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड जैसे टैक्स हैवेन वाली जगहों पर स्थित हैं। एनएबी ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद 8 सितम्बर, 2018 को तीन मुकदमे दर्ज किए थे यानी फ्लैटों के अलावा शरीफ परिवार पर अजीजिया स्टील मिल्स और हिल मेटल कंपनी से जुड़े दो अन्य मामले भी चल रहे हैं। शरीफपरिवार ने सऊदी अरब के जेद्दा में सात अरब रु पये की पूंजी से अजीजिया स्टील मिल्स का निर्माण कराया था। जांच टीम के मुताबिक हिल मेटल कंपनी ने 2010 से 2015 के बीच 99.77 लाख डॉलर का मुनाफा कमाया। इसमें से 4.04 लाख डॉलर शरीफ को भेजे गए। इन दो मामलों पर फैसला आना है। अन्य जो मामले दर्ज थे, उनका क्या होगा? कोई कु छ नहीं कह सकता। पाकिस्तान में अनेक नेताओं की विदेशों में संपत्तियां हैं। किंतु पिछले कुछ समय से नवाज परिवार पर न्यायपालिका का सबसे ज्यादा फोकस हो गया। क्या यह अकारण है? नहीं। सच यह है कि जिस आधार पर नवाज को प्रधानमंत्री पद ही नहीं चुनाव लड़ने तथा राजनीति करने से आजीवन अयोग्य ठहराया गया था, उस आधार पर पाकिस्तान में सक्रिय शायद ही कोई नेता बचे। हम नहीं कहते कि नवाज परिवार पाक साफहै, किंतु उनको ही निशाना बनाना कतई न्याय नहीं है। ध्यान रखिए, नवाज परिवार के खिलाफन्यायालय में अवामी मुस्लिम लीग तथा जमात-ए-इस्लामी ने मामला दायर किया था। दोनों कट्टरपंथी संगठन हैं। माना जाता है कि सेना ने इनके नेताओं से मामला दर्ज करवाया था। इस समय सेना और न्यायपालिका के बीच अजीब किस्म का तालमेल देखा जा रहा है।

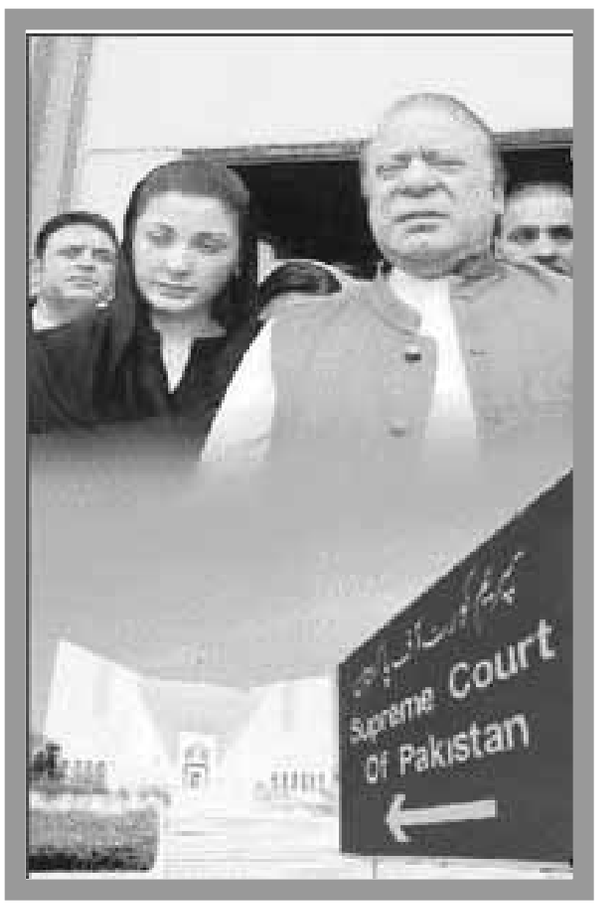

नवाज ने अपने इस कार्यकाल में पाकिस्तान को बदलने की कोशिश में आतंकवादियों, कट्टरपंथियों के साथ सेना एवं न्यायपालिका को भी नाराज कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ2014 में उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान में जर्ब-ए-अज्ब नाम से सैन्य कार्रवाई से आतंकवादी नाराज हैं। नवाज ने अनेक आतंकवादियों को फांसी पर चढ़वा दिया। उनके समर्थक कटटरपंथी राजनीति से लेकर हर क्षेत्र में मौजूद हैं। नवाज ने शैक्षणिक संस्थाओं में तब्लीगी जमात के प्रमोशन को भी प्रतिबंधित कर दिया। ऐसे अनेक कदम उठाए जिससे उनके खिलाफअघोषित मोर्चा निर्मित हो गया है। पाकिस्तान की न्यायपालिका में कट्टरपंथी भारी संख्या में प्रवेश कर चुके हैं, जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को न पिछले चुनाव में कोई भूमिका निभाने दी, न इस चुनाव में। नवाज के बाद बेटी मरियम और उनके पति सफदर भी चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इसका सीधा राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा? इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को। सेना इमरान की पीठ पर किस तरह खड़ी है। बताने की जरूरत नहीं।बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील होगी किंतु इससे नवाज शरीफ एवं उनके परिवार की राजनीतिक जिन्दगी पर तत्काल विराम लग गया है।

नवाज के लिए यह निजी दुर्भाग्य तो है ही पाकिस्तान की राजनीति के लिए भी बहुत बड़ी घटना है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय राजनीति का एक प्रमुख ध्रुव का अवसान क्या परिणाम लाएगा अभी कहना कठिन है। किंतु नवाज की रिक्तता को भरने वाला कोई नेता या राजनीतिक समूह दिखाई नहीं पड़ रहा है। आगामी 25 जुलाई को होने वाले चुनाव में ऐसा लग नहीं रहा है कि किसी पार्टी को बहुमत मिलेगा। जो भी सरकार बनेगी उस पर सेना, कट्टरपंथी एवं कट्टर न्यायपालिका का भय कायम रहेगा।

चलते चलते

फुटबॉल कप प्रतियोगिता

फुटबॉल कप प्रतियोगिता से अर्जेंटीना बाहर, पांच बार का विजेता दे ब्राजील बाहर, मजबूत दावेदार उरु ग्वे बाहर। सीन कुछ इस तरह का हो लिया है मानो फुटबॉल मार्गदशर्क मंडल बनाया जा रहा हो, पुराने सारे खलीफाओं को बैठने के लिए कह दिया गया हो या कह दिया गया हो कि जी, अब सिर्फ फील्ड के बाहर जाकर चीयर करें। मार्गदशर्क मंडल सिर्फ राजनीति में ही नहीं होते, खेल में भी होते हैं। मैसी होंगे स्टार खिलाड़ी, अपनी टीम को नहीं जिता पा रहे हैं, तो फील्ड से निकलिए। फुटबॉल बहुत साफ संदेश दे देती है। हिन्दी साहित्य में कई नये चाहते हैं कि कई पुराने वाले मार्गदर्शक मंडल में बैठ लें पर हिन्दी साहित्य फुटबॉल नहीं है, जहां परफॉरमेंस देखी जाए। हिन्दी का औसत बुजुर्ग यूं करता है कि अगर नया

सीन कुछ इस तरह का हो लिया है मानो फुटबॉल मार्गदशर्क मंडल बनाया जा रहा हो, पुराने सारे खलीफाओं को बैठने के लिए कह दिया गया हो या कह दिया गया हो कि जी, अब सिर्फफील्ड के बाहर जाकर चीयर करें। मार्गदशर्क मंडल सिर्फ राजनीति में ही नहीं होते।

उससे किसी मामले में आगे निकल रहा है, तो घोषित कर देता है कि ये जो नया कर रहा है, यह तो साहित्य है नहीं है। यह तो कविता है नहीं है। यह तो व्यंग्य है ही नहीं। व्यंग्य तो वही है, जो मैं सत्तर के दशक में लिख गया था। उस शर्ट को पहन कर, उस खिड़की पर बैठ कर। अगर किसी ने नहीं लिखा, तो वह व्यंग्य कैसे हो सकता है। इसलिए मेरे चेले चांटों के अलावा कोई व्यंग्यकार नहीं है। फुटबॉल में हिन्दी साहित्य घुस जाए, तो मैसी कह दे-जीतती आ रही टीम बैल्जियम के खिलाड़ी फुटबॉल खेल ही नहीं रहे हैं। यह तो फुटबॉल है ही नहीं। फुटबॉल तो सिर्फ मैं सिर्फ मैं ही खेल सकता हूं। थैंक गॉड, फुटबॉल साहित्य नहीं है। फुटबॉल में मार्गदशर्क मंडल खुद ब खुद बन जाते हैं। क्रिकेट कुछ कुछ राजनीति जैसा है, जहां निकम्मापन छिप भी जाता है। निकम्मे को सातवें डाऊन पर बैटिंग पर रख दो, कई बार उसका खेलने का नम्बर भी ना आ पाता। सातवें डाऊनवाला शेखी बघार सकता है, हमारा नम्बर आता तो एक ओवर में पांच सेंचुरी कूट आते। फीफा कप दिग्गज टीमें और दिग्गज खिलाड़ी जिस तरह से मार्गदर्शक मंडल में जा रहे हैं, उसे देखकर सबक मिलने चाहिए कि अतीत की परफॉरमेंस का भविष्य से कोई ताल्लुक नहीं होता। हर मुकाबला नई लड़ाई लेकर आता है। सिर्फ साहित्य में ही पुरानों को छूट होती है, जो नये को कह दें कि यह जो कर रहा है, वह तो साहित्य है नहीं। साहित्य में फुटबॉल की तर्ज पर मार्गदशर्क मंडल बनते।

फोटोग्राफी...

कदी वेखे रेस 'च ऐद्दां दे करतब

मोजेम बर्बर फेस्ट...मोरोक्को के शहर तन-तन में मोजेम बर्बर उत्सव की ओपनिंग पर घोड़ों की रेस में घुड़सवारों के करतब बेहद पसंद किए गए। यह उत्सव यूनेस्को की मास्टरपीस ऑफ द इंटेगेबल हेरिटेग ऑफ ह्यूमेनिटी की लिस्ट में शामिल है।

कृषि क्षेत्र में घटती आय

भारत में कृषि क्षेत्र में घटती आय के कारण नई पीढ़ी की रु झान इस क्षेत्रके प्रति कम होता जा रहा है। इससे भीषण खाद्य संकट पैदा होने की आशंका प्रबल है। जरूरी है कि इस क्षेत्र को आय के अर्थो में आकर्षक बनाया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न अवसरों पर अपने भाषणों में मंशा जताई है कि वर्ष 2022-23 तक किसानों की आय दोगुना होते देखना चाहते हैं। इस प्रयास की सफलता का मूल मंत्र है कृषि लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि। लघु और सीमांत किसानों, जिनका रकबा दो से तीन एकड़ या उससे भी कम होता है, के पास खेती के अलावा अन्य विकल्प मौजूद नहीं हैं। उनके लिए सही फसल का चयन करना और उपज का वाजिब मूल्य मिलना बड़ी चुनौती है। कम जोत में उचित फसल या कृषि गतिविधियों का चयन कर कम लागत में उपज लेना अलग ही विधा है। इसे समन्वित कृषि कहा जाता है। किसान द्वारा उन गतिविधियों का चयन करना जो एक दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा जिनमें एक गतिविधि में पैदा होने वाले अवशेष या अपशिष्ट को दूसरी गतिविधियों में खाद एवं खाद्य के रूप में प्रयोग में लाया जा सके, समन्वित खेती का मुख्य सिद्धांत है। दरअसल, समन्वित खेती का सार यही है कि किसान अपने खेत में विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप इस प्रकार करें कि उत्पादकता बढ़े और साथ ही साथ निवेश लागत भी कम हो। किसान कौन-सी गतिविधि अपनाएं यह इस पर निर्भर करेगा कि उसकी कृषि भूमि की गुणवत्ता कैसी है, सिंचाई की क्या व्यवस्था है, उसे उपज का अच्छा बाजार मूल्य मिले और नई गतिविधियों में प्रशिक्षित हो। समन्वित कृषि पग्राली किसानों के साथ-साथ वित्तीय संस्थाओं एवं बैंकों के लिए अपेक्षाकृत नई गतिविधि है। कृषि विविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र और अन्य संस्थाओं की ओर से कई मॉडल किसानों को सुझाए गए हैं, परंतु इनमें से ज्यादातर को मानकीकृत नहीं किया गया है। इसके चलते वित्तीय संस्थाएं और बैंक इन गतिविधियों को वित्त पोषण हेतु अपनाने में सहयोग नहीं दे पा रहे हैं। निकट वर्षो में मौसम परिवर्तन का भी खेती पर विपरीत असर पड़ने की आशंका है। देश में कृषिगत क्षेत्र का लगभग 65 प्रतिशत भाग वष पर आधारित है। ऐसे में मिश्रित या समन्वित खेती सुरक्षा कवच का काम करती है। जब एक खेत में एक ही साथ दो-या-दो से अधिक फसलें उगाई जाती हैं, तो संभावना होती है कि कोई फसल मौसम की असामान्यता के कारण नष्ट हो जाए तो भी दूसरी या तीसरी फसल बच सकती है। खेती योग्य भूमि पर जनसंख्या का बोझ निरंतर बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) भी सहयोगी बैंकों और गैर-सरकारी संगठनों को इन गतिविधियों पर जानकारियां और प्रशिक्षण दे रहा है। इस तकनीक का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार हो और राज्यवार एवं क्षेत्रवार उचित मॉडल विकसित हों तथा उनकी जानकारी बैंकों और किसानों को दी जाएं। शुरु आती तौर पर समन्वित कृषि पग्राली को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से, विशेषकर लघु एवं सीमांत किसानों के लिए, कुछ अनुदान योजना भी घोषित करने की आवश्यकता होगी। विभिन्न मॉडलों का अध्ययन करने के बाद महसूस किया गया है कि जो किसान समन्वित कृषि पग्राली अपनाते हैं, उनकी आमदनी अन्य किसानों की अपेक्षा तीन से चार गुना तक बढ़ाई जा सकती है। घटती हुई कृषि योग्य भूमि और बढ़ती हुई आबादी को खिलाने के लिए यह अत्यावश्यक है कि प्रति हेक्टेयर उपज बढ़ाई जाए। इसके लिए समन्वित कृषि पग्राली एक प्रमुख माध्यम है। उन क्षेत्रों में जहां रोजगार के साधन कम हैं, वहां पर इसको अपनाने से लोगों को अधिक रोजगार मिलेगा।

थाइलैंड : गुफा में फंसे सभी बच्चों और कोच को निकाला गया

मे साई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। थाइलैंड की गुफा में फंसे सभी 12 बच्चों और उनके कोच को निकाल लिया गया है। पिछले दो हफ्ते से गुफा में फंसे बच्चों और कोच को निकालने के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा था। पूरी दुनिया में फुटबॉलर बच्चों और उनके कोच के लिए दुआ की जा रही थी। मंगलवार को सभी बच्चे और कोच को सुरक्षित निकालने की खबर आई है। गोताखोरों और बचाव कर्मियों ने थाइलैंड में एक बार फिर ऑपरेशन शुरू किया था। इससे पहले सोमवार तक गुफा से 8 बच्चों को बाहर निकाल लिया गया था, लेकिन कोच सहित 5 लोग गुफा में 4 किलोमीटर अंदर फंसे हुए थे। इनमें से 2 और बच्चों को सुबह निकाल लिया गया था। स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्ट्स है कि बच्चों की सेहत ठीक है, लेकिन 2 बच्चों को न्यूमोनिया हो गया है।

मिशन में जुटे अधिकारियों ने बताया कि बचे बाहर निकलकर बेहद खुश हैं। बचे भूखे हैं और मनपसंद डिश खाना चाहते हैं। कुछ बच्चों ने पसंदीदा ब्रेड और चॉकलेट की भी मांग की। हालांकि, बच्चों को सिर्फ तरल पौष्टिक आहार ही दिया जा रहा है। मिशन के चीफ नारोंगसक ओसोतोकोर्न ने सोमवार को बताया था कि तीसरे अभियान को शुरू करने के लिए कम से कम 20 घंटे का समय चाहिए, लेकिन यह समय मौसम और पानी के स्तर के हिसाब से बदल सकता है।

उन्होंने यह भी बताया था कि बच्चों को उनके माता-पिता से फिलहाल दूर रखा जाएगा क्योंकि स्वास्थ्य अधिकारियों को अभी संक्रमण का खतरा दिख रहा है। थाइलैंड के बच्चों और फुटबॉल कोच की सुरक्षित वापसी के लिए दुनियाभर में प्रार्थना हो रही थी। वहीं, दुनिया के कई देशों के गोताखोर और विशेषज्ञ बच्चों को सलामत निकालने के अभियान में थाईलैंड सरकार की मदद कर रहे थे। थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने भारत का भी खास तौर पर शुक्रिया अदा करते हुए कहा था कि भारतीय दूतावास से लगातार समर्थन मिल रहा है और भारत में हमारे बच्चों के लिए दुआ की जा रही है। भारतीयों के प्रति आभारी हैं।

कोच अपने हिस्से का खाना भी बच्चों को खिला रहा था, तीन साल पहले साधु था

बैंकॉक, 10 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड की थाम लुआंग गुफा से बाहर आए बच्चों ने उन 9 दिनों की कहानी बताई, जब गुफा में कोई बचाव दल नहीं पहुंचा था। उन्होंने बताया कि कोच इकापोल चांटावांग (25) ने हमारी जिंदगी बचाने के लिए अपना खाना तक दे दिया। कोच बनने से पहले इकापोल साधु थे। इस गुफा से 16 दिन बाद रविवार को 4 बच्चों को निकाला गया था। इसके बाद सोमवार को 4 और बच्चों को निकाला गया। अब गुफा में 4 बचे और इकापोल फंसे हुए थे। बच्चों के मुताबिक, "गुफा में फंसने के बाद हमारे पास खाने का काफी कम सामान था। ऐसे में कोच ने उसमें से भी अपना हिस्सा हम सभी को बांट दिया। उन्होंने हमें शरीर की ऊर्जा बचाने के तरीके सिखाए। गुफा में रहने के दौरान वे हमारी हिम्मत बढ़ाते रहे। वे कहते रहे कि हमें स्थिति के हिसाब से खुद को ढालना होगा।" बचाव दल के कर्मचारियों ने बताया था कि जब वे गुफा में बच्चों के पास पहुंचे तो उनका कोच सबसे ज्यादा कमजोर नजर आ रहा था।

41वां बारबेरा इंटरनेशनल शतरंज

इन्यान की बढ़त बरकरार, ओम की लंबी छलांग!

स्पेन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। 41वे बारबेरा इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट में भारत के इंटरनेशनल मास्टर इन्यान पी छठे राउंड में टॉप सीड अजरबैजान के गादिर गुसीमोव को बराबरी पर रोकते हुए अपनी एकल बत कायम रखी है ।

काले मोहरो से खेल रहे इन्यान नें सिसिलियन डिफेंस मे अपने आक्रामक खेल से गादिर को मात्र 27 चालों में ड्रॉ खेलने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही अब वह 5 जीत और 1 ड्रॉ के साथ छह राउंड के बाद 5.5 अंको पर सबसे आगे चल रहे है जबकि गादिर गुसीमोव 5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर चल रहे है। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में ओम कदम 4.5, नीलेश सहा, हिमांशु शर्मा, सौरभ खरडेकर और कार्तिक वेंकटरमन 4 अंकों पर खेल रहे है।

भारत के अंडर 9 नेशनल चैम्पियन और एशिया अंडर 10 चैम्पियन भारत के नन्हें सम्राट ओम कदम नें अपने प्रदर्शन से सभी को चौका

दिया है। उन्होंने रोमानिया के ग्रांड मास्टर मनोलोचे मारिस को पराजित करते हुए सयुंक्त तीसरे स्थान पर छलांग लगा दी। आपको बता दे की ओम के पिता मनीष एकमैकेनिक है और चेसबेस इंडिया के द्वारा कई लोगो नें ओम के केटलन लीग में खेलने का खर्चा उठाया। मात्र 1836 रेटिंग के ओम का प्रदर्शन 2689 का है जो सुपर ग्रांड मास्टर के स्तर का है। उन्होने पहला राउंड नहीं खेलने के बावजूद 5 राउंड के 4 जीत और 1 ड्रॉ के साथ 4.5 अंक बना लिए है और इस दौरान उनसे ड्रॉ खेलने वाले एशिया के पहले ग्रांड मास्टर फिलिप्न्स के टोरे नें तो ओम को भविष्य में दुनिया का सबसे कम उम्र का ग्रांड मास्टर बनने की भविष्यवाणी भी कर दी है।

पाकिस्तान को अनुमति नहीं दी, तो भारतीय कुश्ती संघ होगा बैन

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने मंगलवार को कहा कि यदि पाकिस्तान को राजधानी में 17 से 22 जुलाई तक होने वाली एशियाई जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गयी तो यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग डब्ल्यूएफआई पर प्रतिबंध लगा सकता है। भारत 17 से 22 जुलाई तक दिल्ली के केडी जाधव कुश्ती स्टेडियम में एशियाई जूनियर फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है जिसमें मेजबान भारत सहित 17 देशों के पहलवान हिस्सा लेंगे।

बृजभूषण ने इस संदर्भ में यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर कहा, हमें अभी गृह मंत्रालय से मंजूरी नहीं मिली है। हमने इस सिलसिले में फरवरी में ही प्रस्ताव भेज दिया था जिसे खेल मंत्रालय सहित बाकी सब जगह से मंजूरी मिल गयी है लेकिन गृह मंत्रालय ने अभी तक मंजूरी नहीं दी है। उन्होंने कहा, यह दो देशों का टूर्नामेंट नहीं है बल्कि बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। पाकिस्तान को इसमें भाग लेने का अधिकार है और हम उसे रोक नहीं सकते। उसने पिछली बार अनुमति नहीं मिलने पर कुश्ती की विश्व संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग से शिकायत की थी और इस बार वह पहले से ही विश्व संस्था के सामने अपनी शिकायत दर्ज करा चुका है। यदि पाकिस्तान को हिस्सा लेने से रोका जाता है तो विश्व संस्था हमें ओलंपिक से बाहर करने के अलावा कुश्ती से भी प्रतिबंधित कर सकती है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष ने कहा, पाकिस्तान की लड़कियों को छोड़कर पूरी टीम आ रही है। पाकिस्तान की कुश्ती टीम अच्छी है और उसने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक भी जीता है। पाकिस्तानी दल को वीजा दिलाने की जिम्मेदारी हमपर है। मैंने केंद्रीय गृह मंत्री से समय मांगा है जो आज शाम तक बाहर है। हम कल उनसे मिलकर वास्तविक स्थिति से अवगत कराएंगे और उनसे आग्रह करेंगे कि पाकिस्तानी दल को मंजूरी दी जाए नहीं तो भारतीय कुश्ती पर प्रतिबंध की तलवार लटकती रहेगी। टूर्नामेंट में एशिया के प्रमुख कुश्ती देश ईरान, उज्बेकिस्तान, कजाखिस्तान, जापान, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया, मंगोलिया और ताजिकिस्तान भाग ले रहे हैं। भारतीय टीमों की प्रतियोगिता में मजबूत चुनौती रहेगी। भारतीय टीम ने पिछली चैंपियनशिप में दो स्वर्ण, तीन रजत और नौ कांस्य पदक जीते थे। प्रतियोगिता में 146 फ्री स्टाइल, 117 ग्रीको रोमन स्टाइल और 100 महिला पहलवान 10 स्वर्ण, 10 रजत और 20 कांस्य पदक के लिये अपनी चुनौती पेश करेंगे। भारतीय दावेदारी पर बृजभूषण ने कहा, हमारी सभी टीमें बहुत मजबूत हैं और पिछली बार के मुकाबले ज्यादा पदक जीतने पर तैयार हैं। मैं तो यह कहूंगा कि हमारी महिला टीम का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहेगा। अगले महीने होने वाले जकार्ता एशियाई खेलों के लिये बृजभूषण ने कहा, सारी तैयारी पूरी है, ट्रॉयल हो चुके हैं और टीमें चुनी जा चुकी हैं।

फर्जी डिग्री मामला

टी-20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर से छिनी डीएसपी रैंक

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। महिला टी-20 क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की डिप्टी डीएसपी बनने की उम्मीदों को झटका लगा है। पंजाब सरकार ने उनसे डिप्टी एसपी रैंक छीन ली है। अब उन्हें कांस्टेबल की नौकरी मिल सकती है। दरअसल, जांच में उनकी स्नातक की डिग्री फर्जी पाई गई है। खबरों की मानें तो हरमनप्रीत अर्जुन अवॉर्ड भी छिन सकता है। बता दें कि पंजाब के मोगा की रहने वाली हरमनप्रीत ने

1 मार्च, 2018 को डिप्टी एसपी पद पर जॉइन किया था। उन्होंने जॉइनिंग के वक्त जिस चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ से जारी स्नातक की डिग्री जमा की थी, उसे फर्जी बताया गया है। इस संदर्भ में पंजाब सरकार ने हरमनप्रीत को चिट्ठी लिखा- आपकी क्वॉलिफिकेशन सिर्फ 12वीं तक ही मान्य है, ऐसे में आपको कांस्टेबल की नौकरी मिल सकती है। पंजाब के एक अधिकारी ने बताया कि मौजूदा शैक्षिक योग्यता के हिसाब से उन्हें को डीएसपी की रैंक नहीं मिल सकती।

पंजाब पुलिस के नियम 12 वीं पास शख्स को डिप्टी एसपी बनाने की इजाजत नहीं देते। दूसरी ओर, हरमनप्रीत के मैनेजर की ओर से कहा गया है कि उन्हें इस तरह को कोई भी लेटर नहीं मिला है। साथ ही उन्होंने डिग्री फर्जी होने पर सवाल किया है कि यही डिग्री रेलवे में

भी जमा की थी तो यह फर्जी कैसे हो सकती है? इस मामले में एक और बात सामने आ रही है। वह यह कि अगर पंजाब पुलिस हरमनप्रीत के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करती है तो उनसे अर्जुन अवॉर्ड छिन सकता है। हालांकि, इस बारे में पंजाब सरकार की ओर से अभी तक कुछ नहीं कहा गया है। हरमन इससे पहले इंडियन रेलवे में कार्यरत थीं। पंजाब पुलिस में जॉइन करने को लेकर उन्होंने अपनी पिछली जॉब को छोड़ा था। बता दें कि इस मामले की सबसे पहले पुष्टि डीजीपी (एडमिनिस्ट्रेशन) एमके तिवारी ने की थी। हरमनप्रीत ने ग्रेजुएशन डिग्री कथित तौर पर मेरठ की चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी की ओर से दी गई थी। जब पंजाब आर्म्ड पुलिस के कमांडेंट (जालंधर) ने मेरठ यूमिवर्सिटी में डिग्री को जांच के लिए भेजा तो यूनिवर्सिटी की ओर से जवाब आया कि ऐसा रजिस्ट्रेशन नंबर होता नहीं है।

यो-यो टेस्ट में पास हुए मोहम्मद शमी, इंग्लैंड के खिलाफ खेल सकते हैं मैच

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने एक बार फेल होने के बाद अब यो-यो फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। अब उम्मीद है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में शामिल हो सकते हैं। टीम से जसप्रीच बुमराह चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में शमी की वापसी के बाद टीम इंडिया की बॉलिंग स्ट्रेंथ मजबूत होगी। पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ एक मात्र टेस्ट मैच में वह फिटनेस यो-यो टेस्ट पास ना कर पाने की वजह से टीम से बाहर हो गए थे। शमी टेस्ट टीम में स्थाई खिलाड़ी हैं। मौजूदा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में वो 17वें स्थान पर हैं। शमी का यो-यो टेस्ट पास करना टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर है।

पत्नी से चल रहा है विवाद

शमी इन दिनों पत्नी से घरेलू विवाद के कारण काफी परेशान हैं। पत्नी ने उनपर मैच फिक्सिंग करने से लेकर दूसरी महिलाओं से संबंध रखने तक के गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्नी के आरोपों के बाद बीसीसीआई ने भी मैच फिक्सिंग के आरोपों की जांच की। आरोपों में दम नहीं पाए जाने के बाद बीसीसीआई ने उन्हें आईपीएल 2018 खेलने की इजाजत दे दी थी।

विंबलडन : 7 साल बाद क्वार्टर फाइनल खेलेंगे स्पेनिश स्टार नडाल

लंदन, 10 जुलाई (एजेंसियां)। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने चेक गणराज्य के जिरी वेस्ले को मात देकर सात साल बाद पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। साल 2011 में नडाल ने साल के तीसरे ग्रैंडस्लैम के फाइनल में प्रवेश किया था। नडाल ने प्री-क्वार्टर फाइनल में वेस्ले को सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से मात दी। नडाल को साल 2011 में विंबलडन के फाइनल में सर्बिया के स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविक से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद, 2012 में उन्हें इस टूर्नामेंट के दूसरे दौर और 2013 में पहले दौर में ही हारकर बाहर होना पड़ा। नडाल साल 2014 में इस टूर्नामेंट के अंतिम-16 दौर तक का सफर ही तय कर पाए थे। 2015 में भी उन्हें दूसरे दौर में हार मिली और 2016 में चोटिल होने के कारण वे टूर्नामेंट में शामिल नहीं हो पाए।

गांजा पीने पर पाकिस्तान बल्लेबाज पर लगा 4 साल का बैन

लाहौर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद ने जब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शुरूआत की थी तब कई दिग्गजों ने उनकी तुलना भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से की थी। लेकिन अभी इसी शहजाद पर डोप परीक्षण में नाकाम रहने पर चार साल का प्रतिबंध लग गया है। शहजाद का अप्रैल हुए घरेलू टूर्नामेंट के दौरान डोप परीक्षण हुआ था। इसकी रिपोर्ट में शहजाद दोषी पाए गए हैं। 26 साल के शहजाद के लिए उनके करियर को लेकर यह करारा झटका है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस खबरों की पुष्टि करते हुए कहा है कि शहजाद को प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन का दोषी पाया गया है। शहजाद को 2017 में वेस्टइंडीज दौरे के बाद टेस्ट टीम से बाहर कर दिए गए थे और उन्होंने पिछले साल अक्टूबर से कोई वनडे मैच नहीं खेला है। वह पिछले महीने पाकिस्तान की तरफ से दो अंतर्राष्ट्रीय मैचों में खेले थे जिसमें उन्होंने 14 और 24 रन बनाए थे लेकिन जिम्बाब्वे में त्रिकोणीय टी-20 श्रृंखला में नहीं खेले थे। पाकिस्तानी क्रिकेटरों का डोपिंग में नाकाम रहने का पुराना इतिहास है। तेज गेंदबाज शोएब अख्तर और मोहम्मद आसिफ को 2006 में प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन का दोषी पाया गया था। बाएं हाथ के स्पिनर रजा हसन को 2015 में जबकि हाल में दो अन्य स्पिनरों यासिर शाह और अब्दुर रहमान को भी डोपिंग का दोषी पाया गया था।

तोक्यो ओलंपिक 2020 में 49 किलो में भाग ले सकती है मीराबाई चानू

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व चैम्पियन भारोत्तोलक मीराबाई चानू 2020 तोक्यो ओलंपिक में 48 की बजाय 49 किलो वर्ग में उतर सकती है चूंकि अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने हाल ही में खेल में नए वर्ग डालने का फैसला किया है. अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ के कार्यकारी बोर्ड की पांच जुलाई को ताशकंद में हुई बैठक में ओलंपिक में पुरूष और महिला वर्ग में सात नए भारवर्ग जोड़ने का फैसला किया गया. इसके साथ ही अन्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में दस नये भारवर्ग जोड़े जाएंगे। तोक्यो ओलंपिक में महिला वर्ग में 49 किलो, 55 किलो, 59 किलो, 64 किलो, 76 किलो, 87 किलो और प्लस 87 किलो भारवर्ग होंगे। वहीं, पुरुष वर्ग में 61 किलो, 67 किलो, 73 किलो, 81 किलो, 96 किलो, 109 और प्लस 109 किलो वर्ग होंगे। युवा और जूनियर वर्ग में भी नए भारवर्ग लाये जाएंगे। मीराबाई ने अमेरिका में पिछले साल नवंबर में विश्व चैम्पियनशिप में 48 किलोवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। वह एशियाई खेलों में भी इसी वर्ग में उतरेगी।

अपने ही रिकॉर्ड में सुधार कर दिलाया था गोल्ड

बता दें कि कॉमनवेल्थ गेम्स के पहले दिन ही मीराबाई चानू ने भारत को नया रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल दिलाया था। 48 किलो ग्राम वाले वर्ग में मीरा बाई चानू ने कुल 196 किलोग्राम भार उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया था। इससे पहले उनके नाम पर 194 किलो भार उठाने का रिकॉर्ड दर्ज था।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी देश के लिए गोल्ड जीता

मीरा बाई चानू ने पिछले साल वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी देश के लिए गोल्ड मेडल जीता था. पिछले 22 साल में ऐसा करने वाली मीराबाई पहली भारतीय थीं। 2016 में रियो ओलंपिक में जब वह बुरी तरह असफल रहीं और डिप्रेशन में चली गईं तो लगा कि उनका करियर खत्म हो जाएगा, लेकिन उन्होंने असफलता को भुलाकर नई शुरुआत की।

सलमान खान से मिले शाहिद अफरीदी, सोशल मीडिया पर शेयर कीं तस्वीरें

टोरंटो, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलिवुड के दबंग स्टार सलमान खान अभी अपने दबंग टूर में बिजी चल रहे हैं। इस टूर में वह अलग-अलग जगहों पर जाकर परफॉर्म कर रहे हैं। सोमवार को इस टूर के दौरान सलमान खान और पाकिस्तान के क्रिकेटर शाहिद अफरीदी की मुलाकात भी हुई। अफरीदी भी कनाडा में अपने चैरिटेबल ऑर्गनाइजेशन 'होप नॉट आउट' के लिए फंड जुटाने के लिए ग्लोबल टी-20 लीग खेल रहे हैं। सलमान से मिलने के बाद शाहिद अफरीदी ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए लिखा कि आज सलमान के साथ मिलना बेहद खास रहा। इसके साथ ही उन्होंने सलमान को उनके इवेंट के लिए ऑल द बेस्ट भी कहा। इस इवेंट के दौरान शाहिद ने अपने चैरिटी ऑर्गनाइजेशन के बारे में भी बात की और वहां मौजूद कलाकारों को अपने कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया। सोशल मीडिया पर शाहिद द्वारा शेयर की गईं तस्वीरों को देखकर उनके और सलमान की फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

फुटबॉल कौशल में ऑस्ट्रेलियाई किशोर ने बनाए 2 विश्व रिकॉर्ड

सिडनी, 10 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के 18 वर्षीय जेड हॉकिन फुटबॉल में अपने बेहतरीन कौशल के लिए दो विश्व रिकॉर्ड रखने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हॉकिन ने रबोना स्टाइल किक में दो विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। हॉकिन ने पहले एक मिनट में सात बार रबोना किक के जरिए नेट पर गोल किए है और इसके बाद उन्होंने 60 मीटर से गोल किया। हॉकिन ने बताया कि रबोना किक में आप अपने मजबूत पैर का इस्तेमाल करते हैं और वह भी अपने कमजोर पैर के पीछे से और मजबूत पैर के साथ किक करते हैं। ऑस्ट्रेलिया का यह किशोर खिलाड़ी अपने इस कौशल के कारण पिछले सप्ताह में ही इंटरनेट पर लोकप्रिय हो गया है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी और पूर्व इंग्लिश प्रीमियर तथा चीनी सुपर लीग खिलाड़ी टिम काहिल ने हॉकिन का एक वीडियो साझा करते हुए कहा, मैंने अपने पूरे दिल से तुम्हारा समर्थन किया है और आपको आगे बढ़ते देखना बेहत शानदार है। हॉकिन को अपनी उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने कहा, आप शून्य से शुरुआत करते हैं और फिर आप सारी अजीब चीजें करते हैं। इसमें पता चलता है कि कुछ भी संभव है।

सूरत। उधना में बी.आर.टी.एस रूट में गाड़ी चलाने वालों के बार-बार एकसिडेंट होने के कारण आर.एस.एस के कार्यकर्ताओं द्वारा वाहन चालों को बी.आर.टी.एस रूट में गाड़ी न चलाने का जागरुकता अभियान चलाया गया।

दो दिन के दौरान अच्छी बारिश का पूर्वानुमान

राज्य में स्ट्रोंग सरक्युलेशन सिस्टम सक्रिय : ओरेन्ज अलर्ट

सूरत । दक्षिण गुजरात के अलावा राज्य के अधिकतर क्षेत्रों में बारिश खींच गई है । लेकिन अभी दो दिन मध्य लेवल पर बन रहे सेरजोन से ११ जुलाई से दो दिन राज्य में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि राज्य में स्ट्रोंग सरक्युलेशन सिस्टम सक्रिय बन रही होने की वजह से १३ जुलाई से बंगाल की खाडी में स्ट्रोंग लॉ-प्रेशर पैदा होगा और इसके कारण १४ से २० जुलाई तक भारी बारिश होने का पूर्वानुमान मौसम विभाग ने व्यक्त किया है । मौसम विभाग द्वारा फिलहाल गुजरात में औसत बारिश की अपेक्षा ४६ प्रतिशत की कमी को पूरा करने की संभावना व्यक्त की है । इसके साथ मौसम विभाग ने ११ जुलाई से दो दिन के लिए गुजरात के लिए ओरेन्ज अलर्ट जारी किया गया है । मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, दक्षिण गुजरात राज्य के अधिकतर क्षेत्रों में औसत से कम बारिश है । फिलहाल दक्षिण गुजरात और मुंबई में भारी बारिश हो रही है। मौसम के मध्य लेवल पर पूर्व-पश्चिम के हवा जमा हुए है, जिसे सेरजोन कहते है । यह सेरजोन १९ डिग्री उत्तर तरफ है । जिसकी वजह से हाल में मुंबई और दक्षिण गुज रात में भारी बारिश हो रही है।

यह सेरजोन आगामी दो दिन में गुजरात तरफ आगे बढ़ेगा। जिसकी वजह से ११ जुलाई को दो दिन राज्य के विभिन्न क्षेत्र में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। इसी वजह से राज्य के अन्य हिस्सों में यह दो दिन के दौरान बारिश होने की पूरी संभावना है। कच्छ और सौराष्ट्र सहित के क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया गया है।

पहलीबार अखाडा परिषद के संतों-महंत उपस्थित होंगे

१४ जुलाई को उत्साह के साथ जगन्नाथ की १४१वीं रथयात्रा

अहमदाबाद । शहर में १४ जुलाई को भारी उत्साह के साथ और भक्तिभाव के बीच भगवान जगन्नाथ की १४१वीं परंपरागत रथयात्रा निकाली जायेगी। इस बार रथयात्रा में पहलीबार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भारतीय अखाडा परिषद के बड़े संतों-महंतों और कुंभमेला के कई साधु-संत उपस्थित होंगे। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि, इस वर्ष में भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा और भाई बलराम के लिए बनारस, वृंदावन सहित के पवित्र स्थलों से सुंदर वस्त्रों, पगड़ी इसके अनुरूप वस्त्रों और श्रृंगार तैयार किया गया है। १४ जुलाई को रथयात्रा के दिन सुबह में चार बजे मंगलाआरती में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह उपस्थित होंगे, जबकि सात बजे मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल के द्वारा पहिंदविधि बाद वह रथ खींचकर रथयात्रा का प्रस्थान करायेंगे । रथयात्रा का यह एक दिन ऐसा होता है जिसमें खुद जगत के नाथ नगरयात्रा पर निकलकर अपने भक्तों को घर बैठे दर्शन देते है । इस मामले में जगन्नाथ मंदिर के महंत दिलीपदासजी महाराज और ट्रस्टी महेन्द्रभाई झा ने बताया है कि, भारतीय संस्कृति की रथयात्रा सर्वोच्च प्रतीक है। रथयात्रा में १९ श्रृंगारित गजराज, इसके बाद १०१ भारतीय संस्कृति की झांखी कराते ट्रक, अंग कसरत के प्रयोग के साथ ३० अखाडा, १८ भजनमंडली के साथ तीन बैन्डबाजावाला आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। साधु-संतों, भक्तों के साथ १२०० से १५०० जितने खलासी भाई रथ खींचेंगे । इस रथयात्रा में हिस्सा लेने के लिए देशभर में से २००० से ज्यादा साधु-संत हरिद्वार, अयोध्या, नासिक, उज्जैन, जगन्नाथपुरी और सौराष्ट्र सहित के स्थानों से पहुंचेंगे। रथयात्रा के दिन १४ जुलाई को सुबह में ४ बजे भगवान की मंगलाआरती की जायेगी, इसके बाद आदिवासी नृत्य और रासगरबा का परंपरागत कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे । इसके बाद भगवान की आंख खोलने की शास्त्रोक्त विधि बाद ५.४५ बजे भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा और भाई बलराम को तीनों को रथ में बिठाया जाएगा । सुबह में ७ बजे पहिंदविधि बाद रथयात्रा का शुभारंभ होगा । रथयात्रा के दिन सुबह में भगवान को विशिष्ट भोग चढाया जाता है, जिसमें परंपरा के अनुसार, खीचडी, गवारफली की सब्जी और दही होती है। रथयात्रा के दौरान ३० हजार किलो से ज्यादा मूंग, ५०० किलो जामून, ३०० किलो आम, ४०० किलो ककड़ी प्रसाद का वितरण किया जाएगा । रथयात्रा में पहलीबार भारतीय अखाडा परिषद के साधु-संतों और महंत उपस्थित होंगे।

राजुला, खांभा सहित के क्षेत्रों में तूफानी बारिश

सूत्रापाडा-कोडीनार क्षेत्रों में मेघगर्जना : ९ इंच बारिश

अहमदाबाद । दक्षिण गुजरात में वलसाड, उमरगाम और धरमपुर सहित के क्षेत्रों में तूफानी बारिश होने के बाद मंगलवार को दक्षिण सौराष्ट्र के गीर सोमनाथ जिले में भी तूफानी बारिश हुई और रात को १२ बजे से सुबह के ६ बजे तक में सूत्रापाडा-कोडीनार क्षेत्रों में मेघगर्जना भारी तबाही मचायी। बारिश ने सांबेलाधार में हो रही सूत्रापाडा में सिर्फ ६ घंटे में ९ इंच बारिश और कोडीनार में ८ इंच बारिश दर्ज की गई थी। जिसकी वजह से सूत्रापाडा-कोडीनार क्षेत्रों में जैसे टापू में तब्दील हो गया था सूत्रापाडा। सोमात नदी में बाढ़ आने के साथ सभी जगहों पर जलबंबाकार की स्थिति पैदा हो गई थी। दूसरी तरफ दक्षिण गुजरात के वलसाड -उमरगाम सहित के क्षेत्रों और अमरेली के राजूला, खांभा, जाफराबाद सहित के क्षेत्रों में लगातार तीसरे दिन भी बारिश जारी रही । अमरेली के इस क्षेत्रों में कुछ ही घंटों में पांच इंच से ज्यादा बारिश दर्ज होने पर स्थानीय दली, धातर, कासरिया, मालण सहित की नदियों में बाढ़ आ गया था । इसके साथ अधिकतर क्षेत्रों में जगह-जगह पानी भर गया था । राज्य में मंगलवार को गीर सोमनाथ जिले के सूत्रापाडा तहसील में नौ इंच जबकि कोडीनार तहसील में ८ इंच से ज्यादा बारिश होने पर लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। भारी बारिश के कारण सूत्रापाडा और कोडीनार में जैसे जलबंबाकार की स्थिति के बीच टापू में तब्दील हो गया था। सांबेलाधार बारिश के कारण यह क्षेत्रों के कई गांव संपर्क बिना बन गये। जगह-जगह जलबंबाकार की स्थिति पैदा हो गई थी । खेतों में भी बारिश का पानी आ गया था। जूनागढ़ क्षेत्र में गीरनार पर्वत, बोरडेली जंगल सहित के क्षेत्रों में दो से तीन इंच बारिश दर्ज की गई थी । भारी बारिश के कारण गीरनार पर्वत की सीढ़ी पर से बारिश का पानी झरना के जैसे बहने पर अद्‌भुत दृश्य देखने को मिला था। भारी बारिश को लेकर स्थानीय गुडाजली नदी में नया पानी आने पर भर गया । इस दौरान अमरेली के राजुला, खांभा, जाफराबाद सहित के क्षेत्रों में लगातार तीसरे दिन में भी बारिश देखने को मिली थी। सबसे ज्यादा बारिस राजुला, खांभा, हींडोरणा और जाफराबाद के क्षेत्रों में तीन से पांच इंच भारी बारिश दर्ज की गई थी । जिसकी वजह से यह क्षेत्रों की दली, धातर, कासरिया, मालण सहित की नदियों में बाढ़ आ गया । दूसरी तरफ वलसाड, उमरगाम सहित के क्षेत्रों में भी मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी बारिश हुई । राजकोट जिला में भी बारिश के बूंदाबांदी हुई है।

मरीजों का उपचार-ऑपरेशन के चार्ज निश्चित

हाइटेक सुविधावाली वीएस में भारी चार्ज चुकाना पड़ेगा

वीएस की नई मल्टिस्पेश्यालिटी में ओपीडी के मरीजों को १०० और जनरल वोर्ड में बैड का हररोज ३०० रुपए

अहमदाबाद । राज्य सरकार की मुख्यमंत्री स्वर्णिम योजना के तहत करीब ६०० करोड़ रुपये के खर्च से वीएस अस्पताल में मल्टिस्पेश्यालिटी अस्पताल बन रही है । यह अस्पताल के प्रथम दौर का अगस्त के तीसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा लोकार्पण किया जाए ऐसी संभावना है । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के शासकों ने प्रधानमंत्री मोदी को लोकार्पण के लिए निमंत्रण भेजा गया है । हालांकि हाइटेक सुविधावाली वीएस मल्टिस्पेश्यालिटी अस्पताल में मरीजों को अब भारी भरकम रकम चुकाने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। क्योंकि, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन प्रशासन द्वारा मरीजों के लिए उपचार-निदान, बैड और ऑपरेशन आदि के चार्ज निश्चित किया गया है जिसके अनुसार ओपीडी के मरीजों को १०० रुपये चुकाने पड़ेंगे, जो प्रथम कन्सल्टन्सी के सात दिन तक मान्य रहेगा । सूत्रों के बताये अनुसार, दो बेजमेन्ट के साथ कुल १७ मंजिल और हेलिपेड वाली यह मल्टि स्पेश्यालिटी अस्पताल में चिकित्सा क्षेत्र की मेडिकल, सर्जरी, गायनेक, ऑर्थोपेडिक, टीबी जैसी मुख्य शाखा के अलावा कार्डियोलोजी, न्युरोलोजी, न्युरो सर्जरी, गेस्ट्रो सर्जरी, गेस्ट्रो मेडिसिन आदि के ओपीडी, इन्डोर म्युनिसिपल वोर्ड, ३२ ऑपरेशन थियेटर, ब्लड बैंक, लेब रेडियोलोजी तथा ५५० रेडिडेन्ट डॉक्टर के रहने के लिए रुम भी शामिल है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के शासकों ने प्रधानमंत्री मोदी को लोकार्पण के लिए निमंत्रण भेजा गया है । हालांकि हाइटेक सुविधावाली वीएस मल्टिस्पेश्यालिटी अस्पताल में मरीजों को अब भारी भरकम रकम चुकाने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। क्योंकि, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन प्रशासन द्वारा मरीजों के लिए उपचार-निदान, बैड और ऑपरेशन आदि के चार्ज निश्चित किया गया है जिसके अनुसार ओपीडी के मरीजों को १०० रुपये चुकाने पड़ेंगे, जो प्रथम कन्सल्टन्सी के सात दिन तक मान्य रहेगा ।प्रशासन द्वारा ओपीडी चार्ज के अलावा अस्पताल की कुल १५०० बैड में से जनरल वोर्ड की १३०० बैड के लिए हररोज ३०० रुपये और २०० रुपये, स्पेशियल बैड के लिए १५०० से २५०० रुपये का चार्ज निश्चित किया गया है जनरल वोर्ड में एक रिश्तेदार को बैठने -सोने की सुविधा तथा सामान रखने की आधुनिक व्यवस्था की गई है तथा प्रति मरीज एक क्युब बनाकर इसकी निजी सुरक्षा बनाये रखने का भी आयोजन किया गया है । जनरल वोर्ड में चार्ज में दिन में दो बार डॉक्टर कन्सल्टन्सी, तीन बार डायट, लनिन और नर्सिंग, मरीज के कपड़े शामिल है।

मामा के घर से आये भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बलराम के वस्त्र मंदिर में पहुंचे थे जिसके दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पहुंचे थे।

शहर के मेडिकल कॉलेज में पहुंचे दो जुड़वां जोड

अहमदाबाद । गुजरात के मेडिकल कॉलेजो में अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है। दरअसल, यहां एक नहीं बल्कि दो जुड़वां जोड़ो ने मेडिकल कॉलेजो में दाखिले के लिए परीक्षा पास कर ली है । श्रुति पंजवानी को अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज और भावनगर मेडिकल कॉलेज में दाखिला मिला है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com